

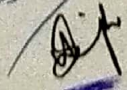
तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

जज
अहमद
की तारीख

तारीख
हुक्म

आगत फतावली पेशा हुई फील पडावादा
 हाजिरे मधी वादीगण व प्रतिवादीगण
 स्वयं हाजिरे नही वादीगण व
 वादीगण के अधिकता से रुक-रुक
 पर तीन बार से अधिक आवाज
 लगायी गई मं से वादीगण
 स्वयं हाजिरे उदाहरण आये तथा
 ना ही वादीगण की ओर से
 कोई अधिकता हाजिरे हुआ।
 मिला वादीगण का वाद काबल
 उद्घोषणा व स्थायी निषेधाज्ञा उक्त
 हाजिरे उक्त पेशी में स्थापित
 किया जाता है फतावली फेदाल
 सुमार घेहर नम्बर से उक्त की
 वाद तामिल तस्मील हाजिरे
 इफ्तार की हाजेर खुले न्यायालय
 में जुगमा गमा


 (निषु सिंह)
 जज अहमद
 जज अहमद